प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषि शिक्षा के साथ-साथ कौशलता में भी निपुण हों युवा-प्रो. मिश्रा

पंतनगर। २३ फरवरी, २०१८। कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा ने देश में रह रहे युवाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें कौशल ज्ञान में भी निपुण बनाने के लिए कहा, तभी ये युवा २०२२ तक किसानों की आय को दोगुना करने में सहयोग प्रदान कर पायेंगे, जो कृषि, किसानों व देश के लिए और स्वयं उनके विकास के लिए अति आवश्यक है। प्रो. मिश्रा ने ये विचार हरित गृह (ग्रीन हाउस) संचालन/उत्पादन पर पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में 'कुशल भारत-कौशल भारत' योजना के अन्तर्गत चल रहे कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रकट किये। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के बागवानी में प्लास्टिकल्चर के उपयोग संबंधी राष्ट्रीय समिति द्वारा प्रायोजित इस ३०-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन सुनियोजित कृषि विकास केन्द्र, पंतनगर, द्वारा किया गया।

अपने संबोधन में प्रो. मिश्रा ने आगे कहा कि अभी तक किसानों, वैज्ञानिकों और कृषि से जुड़े युवाओं ने जो प्रयास कृषि के क्षेत्र में किये वे महत्वपूर्ण थे लेकिन, आने वाले समय में उन्हें और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज का युवा कृषि से विमुख हो रहा है क्योंकि इसमें आकर्षर्ण और फायदा नहीं दिखायी देता। यदि देश का युवा कृषि शिक्षा के साथ कृषि संबंधी कौशल ज्ञान भी अर्जित कर ले तो खेती उसके लिए आकर्षक और फायदेमंद साबित हो सकती है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि अगर वे अपने कौशल और शिक्षा का उपयोग नई तकनीकों के साथ करें तो वे अपने साथ-साथ अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं।

इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार, ने कहा कि प्रकृति में संसाधन पर्याप्त मात्रा में हैं, यदि हम अधिक कृषि उत्पादन के लिए उनका अत्यधिक दोहन करेंगे तो वे जल्द समाप्त हो जायेंगे, जिससे भविष्य में देश की जनसंख्या का भरण-पोषण करना एक बहुत बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने यह भी बताया की पिछले ४० वर्षों में छोटे किसानों की श्रेणी में ८० प्रतिशत से अधिक की बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे में यह आवश्यक है कि निश्चित संसाधनों से एक वर्ष में ४-५ फसलें ली जायें, ताकि उसी संसाधन से अधिक उत्पादन हो पाये।

विश्वविद्यालय के निदेशक शोध, डा. एस.के. तिवारी ने बताया कि कृषि में ग्रीन हाउस एक ऐसा माध्यम है, जिसके अन्दर अपनी आवश्यकता के अनुसार वातावरण निश्चित कर सकते हैं, साथ ही इसमें बेमौसम की फसलें एवं सब्जियां कम लागत में लगाकर अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं लेकिन, यह ग्रीन हाउस संचालन व निर्माण के सही प्रशिक्षण से ही संभव हो पायेगा। कृषि विकास केन्द्र के परियोजना समन्वयक, डा. सी.पी. सिंह, ने कार्यक्रम के प्रारम्भ में सभी उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम २४ मार्च २०१८ तक चलेगा, जिसमें ३० प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजन सचिव, डा. एस.के. मौर्या, ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन सब्जी विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक, डा. रश्मि, ने किया।

हरित गृह संचालन के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते कुलपति, प्रो. एके. मिश्रा।